Pg 1 Seema Aziz

B.A Part III (H) 22-7-2020

Home-Science

Q. परिवार की सामाजिक और आर्थिक स्तर को कौन-कौन से तत्व प्रभावित करते हैं?

Ans परिवार की स्थिति को निर्धारित करने वाले मुख्य तत्व निम्नलिखित हैं।

(1) संस्कृति ⇒ प्रत्येक समाज, देश की संस्कृति को अपनाता है। भारतीय संस्कृति का आदर्श सादा जीवन उच्च विचार जबकि अमेरिकन संस्कृति भौतिकवादी दृष्टिकोण अपनाती है। परिवार का मुख्य उत्तरदायित्व है कि वह स्वस्थ्य, संस्कृति, एवं परम्पराओं को अपने सदस्यों को दें।

(2) परंपराएं ⇒ जिस वातावरण में व्यक्ति पलता है बढ़ता है, उसका विकास उसी के अनुरूप होता है। प्रत्येक परिवार समाज की अपनी कुछ परंपराएं होती हैं जो मुख्यतः धर्म पर आधारित होती हैं। व्यक्ति अपने स्वभाव, शिक्षा, अनुभव आदि के अनुरूप अपनी परंपराओं को किसी न किसी रूप में स्वीकार कर लेता है और यह जीवन-स्तर को निर्धारित करता है।

(3) जीवन-दर्शन और मूल्य ⇒ जीवन दर्शन एवं मूल्य भी व्यक्ति के रहन-सहन को निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जीवन दर्शन का निर्माण अनुभव के आधार पर होता है जो अनेक क्रियाओं के माध्यम से प्राप्त होता है इन क्रियाओं में समाज द्वारा निर्धारित

Scanned with CamScanner

क्रियाएं। विभिन्न क्रिया-कलापों को फलस्वरूप परिवार के सदस्यों के ज्ञान कौशल एवं अभिवृत्तियों में वृद्धि होता है

(4) सामाजिक तथा धार्मिक संस्थाएं ⇒ कुछ परिवार पहले से चले आए सामाजिक एवं धार्मिक संस्कार कर्तव्यनिष्ठा से निभाते है। समाज में अपनी प्रतिष्ठा बनाए रखने के लिए अर्जित धन इन संस्कारो में खर्च कर देते है; जैसे त्योहार शादी विवाह, जन्म मृत्यु आदि। परिणामस्वरूप उनका जीवन-स्तर गिर जाता है।

5 पारिवारिक आय ⇒ धन की आवश्यकता प्रायः प्रत्येक व्यक्ति को होती है ताकि उसका जीवन सुखमय व्यतीत हो, लेकिन इसके विपरित आय की अपर्याप्तता के कारण बच्चों का पालन-पोषण उचित विधि से नहीं हो पाता है आपस में लड़ाई, मनमुटाव क्रोध-खीझ उत्पन्न हो जाता है। आपसी संबंध आवश्यकताओं की पूर्ति के कारण बिगड़ जाते है। एव रहन-सहन का स्तर निम्न हो जाता है

(6) शिक्षित समाज ⇒ व्यक्ति का स्वभाव शिक्षित समाज में विकसित होता है। वह किसी बात पर विवेक से सोच समझ कर निर्णय लेते है साधनों का अधिकतम सही उपयोग करते है, कम खर्च में परिवार के रहन-सहन का स्तर ऊँचा बना सकते है और सामाजिक प्रतिष्ठा पाने में सफल होते है।

(7) सामाजिक एवं सामुदायिक सुविधाएँ → मनुष्य सामाजिक प्राणी होने के नाते सामाजिक व्यक्तियों के निकट सम्पर्क में आकर सामाजिक गुणों की शिक्षा प्राप्त करते हैं। परिवार का उत्तरदायित्व है कि वह समाज के दूसरे व्यक्तियों तथा समुदायों से सम्पर्क करने के अवसर प्रदान करे तथा उनसे लाभ उठायें। परिवार का वातावरण अधिकांशतः उसके सदस्यों के ~~अधिक~~ आदर्शों एवं संवेगात्मक भावनाओं से निर्धारित होती है।

(8) मितव्ययितापूर्ण व्यय करने की विधि → आवश्यकताओं और इच्छाओं को पूर्ण करने के लिए धन ~~का~~ एवं सीमित साधन के खर्च में होता है। विवेकपूर्ण ढंग से व्यय करके वर्तमान की आवश्यकताएँ संतुष्टि ~~के~~ साथ पूरी होती हैं। परिवार का सामाजिक आर्थिक स्तर बनाए रखने में धन का उचित व विवेकपूर्ण उपयोग अति आवश्यक है।

(9) मुद्रा की क्रय शक्ति → देश में प्रचलित कीमत पर धन का मूल्य या क्रय-शक्ति निर्भर करती है। कीमत बढ़ने पर मुद्रा की क्रयशक्ति कम हो जाती है यदि कीमतें उत्पादन की अपेक्षा अनुपात में बढ़ जाती हैं तो धन का महत्व घट जाता है।

Scanned with CamScanner

(10) परिवार के सदस्यों का स्वास्थ्य → परिवार के सदस्यों का स्वास्थ्य सामाजिक आर्थिक स्तर को प्रभावित करता है। शरीर और मन से स्वस्थ व्यक्ति किसी कार्य को उचित ढंग से कर सकता है। अस्वस्थ रहने पर दवा में अधिक व्यय होता है।

इसके अतिरिक्त परिवार के सदस्यों की संख्या, उपलब्ध साधन, प्राकृतिक साधन और उनका उपयोग, राजनीतिक व्यवस्था, तकनीकी विकास, मानसिक और शारीरिक कार्य-कुशलता आदि परिवार के रहन-सहन के स्तर को प्रभावित करते हैं।